भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3325

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ओडिशा के नबरंगपुर में आयुष ग्रिड को अपनाया जाना

3325. श्री बलभद्र माझी

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुष ग्रिड और 'माइ आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल' सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों और ई-गवर्नेंस उपकरणों के कार्यान्वयन का ब्यौरा क्या है तथा ओडिशा के नबरंगपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में इनके कार्यान्वयन में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) आयुष ग्रिड को राज्यों, संघ राज्यक्षेत्रों और स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा किस सीमा तक अपनाया गया है तथा ओडिशा के नबरंगपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) आयुष ग्रिड के भावी डिजिटल रूपांतरण तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ इसके एकीकरण के लिए सरकार की कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है तथा ओडिशा के नबरंगपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रस्तावित उपाय क्या हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष ग्रिड परियोजना आयुष क्षेत्र के लिए आईटी आधार के रूप में कार्य करती है, जो स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास, आयुष औषधि प्रशासन, औषधीय पौधों, शिक्षा एवं जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा वैश्विक/मीडिया पहुँच सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करती है।

इस पहल के अंतर्गत चौबीस ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं और उन्हें पूरे देश में सुलभ बनाया गया है। 'माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी)', जो आयुष मंत्रालय का मास्टर पोर्टल है और https://www.maisp.ayush.gov.in पर उपलब्ध है, सभी आयुष-संबंधी एप्लिकेशनों और सेवाओं को एकीकृत कर एक समग्र डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है।
इस पोर्टल पर आगंतुकों की सहायता करने तथा उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट (बीटा संस्करण) भी उपलब्ध कराया गया है। यह पोर्टल नागरिक-केंद्रित विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं तक सरल पहुँच सुनिश्चित करता है तथा वास्तविक निगरानी और डेटा-आधारित निर्णय लेने हेतु सक्षम बनाता है। (विस्तृत जानकारी- maisp.ayush.gov.in पर उपलब्ध है)

इसी प्रकार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अनुरूप आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) को स्वास्थ्य देख-रेख सेवाओं को डिजिटाइज करने तथा आयुष स्वास्थ्य संस्थानों के प्रबंधन में सुधार के उद्देश्य से लागू किया गया है। आयुष अनुदान पोर्टल ने मंत्रालय की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रस्तावों के प्रस्तुतिकरण, प्रसंस्करण,

अनुमोदन तथा निगरानी की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाया है। आयुष अनुसंधान पोर्टल 43,000 से अधिक चयनित आयुष शोध प्रकाशनों का एक केंद्रीकृत डिजिटल भंडार है, जो शोधकर्ताओं, चिकित्सकों तथा नीति-निर्माताओं को इन शोध सामग्रियों तक सरल और त्वरित पहुँच प्रदान करता है। आयुष निवेश सारथी पोर्टल आयुष क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक समर्पित प्रवेश-द्वार के रूप में कार्य करता है तथा निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जानकारी उपलब्ध कराता है। ई-चरक पोर्टल औषधीय पौधों के क्षेत्र के लिए एक आभासी बाज़ार और सूचना मंच के रूप में कार्य करता है, जो किसानों, संग्राहकों, खरीदारों, निर्माताओं तथा निर्यातकों को एक-दूसरे से जोड़ता है।

वाई-ब्रेक प्रो मोबाइल एप्लिकेशन कार्यस्थलों पर अल्प अवधि के योग सत्रों के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देता है। एम-योग एप्लिकेशन शिक्षण मॉड्यूल तथा निर्देशित योग सत्र उपलब्ध कराकर नियमित योगाभ्यास को प्रोत्साहित करता है, जिन्हें कभी भी और कहीं भी आसानी से उपयोग किया जा सकता है। योग पोर्टल योग को समग्र जीवनशैली के रूप में बढ़ावा देने तथा इसे सभी के लिए अधिक सुलभ बनाने हेतु एक समर्पित डिजिटल मंच है। यह योग प्रोटोकॉल, प्रशिक्षण मॉड्यूल, प्रमाणित संस्थानों, कार्यक्रमों तथा शोध अध्ययनों से संबंधित प्रामाणिक एवं सुव्यवस्थित जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे शिक्षार्थियों और योग साधकों को विश्वसनीय तथा सहजता से जानकारी प्राप्त हो सके।

इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के अवसर पर योग पोर्टल पर आयोजित योग संगम में देशभर से 7.6 लाख से अधिक संगठनों ने पंजीकरण कराया। इनमें से ओडिशा के नबरंगपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 441 संगठनों ने पंजीकरण कराया, जो राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित योग उत्सव में इस संसदीय क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

समग्र रूप से, आयुष ग्रिड के अंतर्गत विकसित सभी ई-गवर्नेंस उपकरण सभी के लिए सुलभ हैं तथा उन्होंने सेवा प्रदायगी को सुदृढ़ बनाने, परिचालन दक्षता में सुधार करने तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

(ख): आयुष ग्रिड ने डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा सेवा प्रदायगी का मानकीकरण करके ग्रामीण क्षेत्रों और आकांक्षी जिलों सहित आयुष-आधारित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में सुधार किया है।

आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (ए-एचएमआईएस) जैसे डिजिटल मंचों के माध्यम से रोगी पंजीकरण, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख, रेफरल सेवाएँ तथा उपचार की निरंतरता को डिजिटल रूप से सक्षमकारी बनाया जा रहा है। 31 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, देशभर में कुल 6,245 आयुष स्वास्थ्य संस्थानों को ए-एचएमआईएस से जोड़ा जा चुका है। ओडिशा में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान तथा केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान को भी ए-एचएमआईएस एप्लिकेशन से जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, रियल टाइम डैशबोर्ड तथा मानकीकृत रिपोर्टिंग राज्य एवं जिला स्तर के प्राधिकारियों को निगरानी, योजना निर्माण तथा लक्षित हस्तक्षेपों में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे ऐसे क्षेत्रों में आयुष सेवाओं की उपलब्धता और पहुँच में और अधिक वृद्धि हुई है।

इसके अलावा, पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर उपलब्ध पीएम गतिशक्ति आयुष एसेट मैपिंग टूल के माध्यम से आयुष स्वास्थ्य संस्थानों की जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) आधारित मैपिंग की गई है, जिससे योजना निर्माण एवं निर्णय-निर्माण प्रक्रिया को सुदृढ़ समर्थन प्राप्त हुआ है। 15 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार इस पोर्टल पर कुल 6,002 आयुष स्वास्थ्य संस्थानों का मानचित्रण किया जा चुका है, जिनमें ओडिशा राज्य के 85 स्वतंत्र आयुष औषधालय तथा 150 आयुष आरोग्य मंदिर शामिल

हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर योग पोर्टल पर आयोजित योग संगम के अंतर्गत ओडिशा के नबरंगपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 441 संगठनों का पंजीकरण किया गया।

राज्यों और केंद्र राज्य क्षेत्रों में आयुष स्वास्थ्य देख-रेख संस्थानों द्वारा इन डिजिटल मंचों को अपनाने से ग्रामीण एवं आकांक्षी जिलों सहित आयुष सेवाओं की सुलभता, गुणवत्ता और निरंतरता में वृद्धि हुई है।

(ग): आयुष मंत्रालय डिजिटल मंचों को सुदृढ़ करके, परस्पर क्रियाशीलता को बढ़ावा देकर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाकर तथा डेटा-आधारित शासन व्यवस्था को सक्षम बनाकर आयुष क्षेत्र के लिए एक व्यापक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में आयुष ग्रिड को सुदृढ़ बना रहा है।

इन प्रयासों का उद्देश्य सेवा प्रदायगी में सुधार करना, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुगम बनाना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) के साथ समन्वय के माध्यम से बहुभाषी सहायता उपलब्ध कराना तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करना है।

*****